उत्तर

प्रीलिम्स 1 हिंदी ए

Class 10 - हिंदी ए

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ग) सम्यक ज्ञान, गुण, धर्म से अपने जीवन को ब्रह्म से जोड़कर व्यक्ति करोड़ों जन्मों के कर्मों से मुक्ति प्राप्त करता है।
   2. (क) शिक्षा और गुरु के माध्यम से।
   3. (घ) तुलसीदास की गुरु उनकी पत्नी थीं।
   4. शिक्षा दो माध्यमों से मिलती है। एक जीविकोपार्जन का माध्यम बनता है तथा दूसरी से जीवन साधना संभव होती है।
   5. जीविकोपार्जन की शिक्षा प्राप्त कर मनुष्य को यह संसार बड़ा सुखमय प्रतीत होता है और जलते हुए दीपक के प्रकाश जैसे वह बाहरी जीवन में प्रकाश पाता है।
2. i. (घ) आज के मानव के आदर्श लोभ, लालच, धन का उपार्जन ही हैं।
   ii. (क) कवि ने कविता में देश में वर्तमान में फैले भ्रष्टाचार की ओर संकेत किया है।
   iii. (ग) कवि ने धन संग्रह को आतुर मनुष्य के लिए देशप्रेम को एक विडम्बना कहा है।
   iv. आजकल लोगों का मन, शरीर एवं आत्मा सब पराई हो चुकी है ऐसी स्थिति में आत्मा के द्वारा सच्ची सीख दिए जाने के कारण उसकी आवाज को धन लोलुप ने पागलपन कहा है।
   v. वर्तमान में लोगों का कण-कण भावहीन हो गया है। शरीर, मन, आत्मा सब पराई हो गयी है। भ्रष्टाचार में डूब कर वह केवल धन को अपना मानता है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. गौरैया ने तिनका-तिनका जोड़ा और घर बनाया।
   ii. हम फ़िल्म देखने के लिए सिनेमाघर गए।
   iii. जो झूठ बोलते हैं, उन पर कोई विश्वास नहीं करता।
   iv. रेखांकित उपवाक्य का भेद: संज्ञा उपवाक्य।
   v. मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालते थे और उसे बाहर रखते जाते थे। (संयुक्त वाक्य)
4. i. माँ ने भिखारी को भोजन दिया।
   ii. उसके द्वारा कालीन बुना जाता है।
   iii. आओ, अब चला जाए।
   iv. पुलिस ने चेतावनी दी।
   v. फुरसत में मैना द्वारा खूब रियाज़ किया जाता है |
5. i. हम - सर्वनाम (पुरुषवाचक), पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
   ii. परंतु - समुच्चयबोध्क, दो उपवाक्यों को जोड़ने वाला
   iii. पार्क में - संज्ञा (जातिवाचक), पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक
   iv. सुंदर - विशेषण (गुणवाचक), स्त्रीलिंग, एकवचन, 'आकृति' - विशेष्य
   v. **भारत**- संज्ञा, व्यक्तिवाचक पुल्लिग एकवचन, कर्ता कारक
6. i. उपमा अलंकार
   ii. रूपक अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. अतिश्योक्ति अलंकार
   v. मानवीकरण अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा, धूप का नाम नहीं है, ठंडी पुरवाई चल रही है। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है-यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा।

बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं, मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं, रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

(i) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या:

सभी विकल्प सही हैं

Atul Tutorials

(ii) **(ग)** जादू
व्याख्या:
जादू

(iii) **(ख)** हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं
व्याख्या:
हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं

(iv) **(ग)** स्वर को ऊँचा-नीचा करते थे
व्याख्या:
स्वर को ऊँचा-नीचा करते थे

(v) **(घ)** देशज
व्याख्या:
देशज

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
   (i) 'भई खूब! क्या आइडिया है।' वाक्य में प्रयोग किये गये उर्दू और अंग्रेजी के शब्द वाक्य के वास्तविक अर्थ को कहीं अधिक अच्छे ढंग से हमारे सामने व्यक्त करते हैं। वास्तव में एक भाषा के शब्द के दूसरी भाषा में आने से लाभ ही लाभ होते हैं। उदाहरण के तौर पर थैंक्यू कहने से अर्थ भी स्पष्ट होता है और यह हिन्दी में इसके लिए प्रयुक्त शब्द धन्यवाद से थैंक्यू शब्द कहीं अधिक व्यवहारिक लगता है । कई बार ऐसा होता है कि एक भाषा के शब्द के अर्थ दूसरी भाषा में प्रयुक्त शब्द के अर्थ से समझ में आते हैं। उदाहरण के तौर पर हमें त्रिपाद चालक का अर्थ समझने में शायद देर लगे और रिक्शावाला कहने से हम तुरंत अर्थ समझ जाते हैं। इसलिए एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्द लाभकारी ही होते हैं।
   (ii) एक कहानी यह भी की लेखिका के जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें बाहरी रंग-रूप से परे अपने गुणों को विकसित करना चाहिए और मुश्किल परिस्थितियों से हार नहीं माननी चाहिए। उनकी कहानी यह भी सिखाती है कि जीवन की परिस्थितियों और अवस्थाओं का तटस्थ मूल्यांकन करना और अपनी बात को साहस के साथ कह पाना आवश्यक है।
   (iii) नवाब साहब ने खीरों को सूँघा और खिड़की से बाहर फेंक दिया। हमारी दृष्टि से उनका यह व्यवहार बिलकुल भी उचित नहीं है। उन्होंने स्वयं को श्रेष्ठ दिखाने के लिए ऐसा किया, पस ऐसा करके वे श्रेष्ठ नहीं बल्कि सनकी सिद्ध हुए जो अपनी झूठी शान के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।
   (iv) जीवन में संस्कृति और सभ्यता का अंतर समझना महत्वपूर्ण है। संस्कृति एक संपूर्ण सांस्कृतिक अनुभव को समझने के लिए होती है, जबकि सभ्यता तकनीकी प्रगति और समाज के विकास को ध्यान में रखती है। इसलिए, हमें इन दोनों के महत्वपूर्ण भेद को समझने के लिए प्रयास करना चाहिए। संस्कृति देशों और धर्मों में विभाजित नहीं होनी चाहिए, बल्कि एकता के रूप में परिभाषित होनी चाहिए।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(i) **(ख)** छोटा
व्याख्या:
छोटा

(ii) **(क)** अपने जीवन को
व्याख्या:
अपने जीवन को

(iii) **(ग)** क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की
व्याख्या:
क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की

(iv) **(घ)** दूसरों की आत्मकथा सुनने को
व्याख्या:
दूसरों की आत्मकथा सुनने को

(v) **(घ)** क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते
व्याख्या:
क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
   (i) कविता में प्रकृति के सभी तत्वों में एक विशेष प्रकार का सौन्दर्य छा जाता है। जिधर नज़र जाती है वहाँ प्रकृति के सौन्दर्य का अनुपम रूप नज़र आता है। खेत-खलिहानों, में बाग़-बगीचों में प्राकृतिक सौन्दर्य अपने पूर्ण यौवन पर होता है। कवि इससे इतना मंत्रमुग्ध है कि वह उसे निर्बाध देखते

Atul Tutorials

रहना चाहते हैं।

(ii) बच्चे की सरल और स्वाभाविक मुस्कान का कवि के मन पर अधिक प्रभाव पड़ता है। इस मुस्कान को देखकर कवि को ऐसा लगता है जैसे यह मृत शरीर में प्राण डाल दे, क्योंकि बच्चे की मुस्कान में कोई स्वार्थ नहीं होता।

(iii) संगतकार निम्नलिखित रूप में मुख्या गायक - गायिकाओं की मदद करता है :-

i. वह बिखरते स्वर को सहारा देकर एहसास दिलाता है की वह अकेला नहीं है।
ii. जब मुख्या गायक जटिल तानों में खो जाता है तब संगतकार स्थायी को संभाले रहता है।
iii. वह उसके सुर में सुर मिलाकर उसके आतम विश्वास को बचाता है।
iv. अपने स्वर को उंचा न उठा मुख्या गायक को सफल बनाता है।
v. कभी वादक के रूप में कभी स्वर लहरियों का संभालने में तो कभी मुख्य गायक के थके स्वर को विश्राम देने के लिए संगतकार मदद करता है।

(iv) गोपियों को यह विश्वास था कि वे विरह रूपी अग्नि से रक्षा के लिए कृष्ण को पुकारेंगी तो वे स्वयं आकर उनकी विरह-वेदना को हर लेंगे। परंतु जब कृष्ण ने उन्हें प्रेम को त्यागकर योग-साधना अपनाने का संदेश देने के लिए उद्धव को भेज दिया तब उनकी आशा पर पानी फिर गया और उनका धैर्य टूटने लगा।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) इस पाठ में तत्कालीन समाज की जीवन शैली का वर्णन किया गया है। उस समय के परिवारों में बच्चे माँ के ममतामयी अँचल की छाँव में बड़े होते थे। घर के सदस्यों के मध्य आत्मीयता का संबंध होता था। पिता और पुत्र के मध्य प्रेम को इस पाठ में विस्तार से चित्रित किया गया है। घर में धार्मिक वातावरण होता था। बच्चों को प्रांरभ से जीवों के प्रति प्रेम करना, प्रातः जल्दी उठना, प्रकृति के नजदीक जाना आदि सिखाया जाता था। बच्चे मित्रों के साथ समूह में खेलते थे जिससे उनमें सामाजिकता व सामूहिकता का विकास होता था। वे घरेलू व परंपरागत खेल खेला करते थे जिन्हें खेलने के लिए विशेष साधनों की आवश्यकता नहीं होती थी।

(ii) लेखक हिरोशिमा के बम-विस्फोट के परिणामों को अख़बारों में पढ़ चुका था। लेखक ने अपनी जापान यात्रा के दौरान हिरोशिमा का दौरा किया था। वह उस अस्पताल में भी गया जहाँ आज भी उस भयानक विस्फोट से पीड़ित लोगों का इलाज हो रहा था। इस अनुभव द्वारा लेखक को, उसका भोक्ता बनना स्वीकार नहीं था। कुछ दिन पश्चात् जब उसने किसी स्थान पर एक बड़े से पत्थर पर एक व्यक्ति की उजली छाया देखी, संभवत: विस्फोट के समय कोई व्यक्ति उस स्थान पर खड़ा रहा होगा। विस्फोट से विसर्जित रेडियोधर्मी पदार्थ ने उस व्यक्ति को भाप बनाकर उड़ा दिया और पत्थर को झुलसा दिया। इस प्रकार जैसे समूची दुर्घटना उस पत्थर पर लिखी गई हो। इस प्रत्यक्ष अनुभूति ने लेखक के हृदय को झकझोर दिया। इस प्रकार लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गया।

(iii) लेखिका का मन बार्डर एरिया में छावनी पर "वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो" पढ़कर उदास हो गया क्योंकि यह लेख एक कठिन और विषम परिस्थितियों में कर्तव्य पालन की दास्ताँ को उजागर करता है। माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तापमान और प्रतिकूल प्राकृतिक परिस्थितियों के बावजूद सैनिक अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। परिवार से दूर रहकर वे अपने देश की सेवा में लगे हुए हैं, जो लेखिका को उनकी स्थिति और बलिदान की गंभीरता को देखकर उदास कर देता है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) बाल-दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था। प्रतिवर्ष इस दिन विद्यालयों में विशेष समारोह होते हैं। किसी-किसी विद्यालय में छात्र छात्राओं को मिठाई बाँटी जाती हैं। इस दिन बाल-कल्याणकारी कार्यक्रमों की घोषणा होती है या उन्हें शुरू किया जाता है।

सरकार तथा अनेक संस्थानों की ओर से भी स्कूली बच्चों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन के लिए अनेक कार्यक्रम होते हैं। सफदरजंग हवाई अड्डे पर बच्चों को नि:शुल्क हवाई सैर कराई जाती है। राष्ट्रीय संग्रहालय, चिड़ियाघर, कुतुबमीनार में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अनुमति होती है। इसके अतिरिक्त नेहरू संग्रहालय में अनेक आयोजन होते हैं। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन भी बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में बच्चों की रुचि तथा लाभ के लिए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन होता है। बाल दिवस के त्योहार का सबसे बड़ा महत्व बच्चों में आत्म-सम्माान, आत्म-गौरव, स्वयं को पहचानने, जीवन में कुछ कर दिखाने की चाह जैसे विचार उत्पन्न करने में हैं। इससे वे उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हैं।

(ii) **आज़ादी का अमृत महोत्सव**

भारत विश्व का सबसे बड़ा संविधानिक देश है। भारत में विभित्र प्रकार के जाति धर्म समुदाय रंग रूप संस्कृति के लोग मिलजुल कर रहते है। 15 अगस्त 1947 को भारत में ब्रिटिश सरकार से आज़ाद हुआ था। हमारे स्वतंत्रता सेनानी सालों तक अंग्रेज सरकार से लड़ते रहे और अंत में हिंदुस्तान को आज़ाद किया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव प्रगतिशील भारत के 75 वर्ष पूरे होने और यहाँ के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने और जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की ओर से की जाने वाली एक पहल है। पूरे देश में यह महोत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए हर राज्य ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। हम सभी जानते हैं कि 12 मार्च, 1930 को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह की शुरूआत की थी। 2020 में नमक सत्याग्रह के 91 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने साबरमती आश्रम से अमृत महोत्सव की शुरूआत पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर की।

15 अगस्त, 2022 को देश की आज़ादी के 75 साल पूरे होने जा रहे हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 75वीं वर्षगाँठ से एक साल यानी 15 अगस्त, 2021 से इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। जिसमें देश की अदम्य भावना के उत्सव दिखाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी

Atul Tutorials

आयोजित किये जा रहे हैं। इनमें संगीत, नृत्य, प्रवचन, प्रस्तावना पठन शामिल है। युवा शक्ति को भारत के भविष्य के रूप में दिखाते हुए गायकों में 75 स्वर के साथ-साथ 75 नर्तक होंगे। यह कार्यक्रम 15 अगस्त, 2023 तक जारी रहेंगे।

(iii)'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

13. महाप्रबंधक महोदय,
दिल्ली परिवहन निगम,
नेहरु प्लेस डिपो, दिल्ली।
01 मार्च, 2019
विषय- बस चालक के प्रशंसनीय व्यवहार के संबंध में
महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान इस डिपो के अधीन कार्यरत बस चालक श्री गोविन्द सिंह के प्रशंसनीय व्यवहार की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इस सप्ताह की बात है जब आज़ादपुर से नरेला के बीच चलने वाली बस एक रेड लाइट पर रुकी थी तभी खिड़की के पास वाली महिला चिल्लाई, "मेरी चेन ले गया, ले गया।" चेन खींचने वाला बस की उल्टी दिशा में भागने लगा। अचानक इससे यात्री घबराए पर उसके पीछे कोई न भागा, तभी मैंने देखा कि बस के ड्राइवर ने उसके पीछे दौड़ लगा दी। उसे दौड़ता देख एक दो यात्री और भी दौड़ पड़े। अचानक ठोकर लगने से लुटेरे गिरा कि ड्राइवर ने उसे पकड़ लिया और दोनों यात्रियों की मदद से उसे बस में लाया। उसे लोगों के बीच सीट पर बिठा बस को मुद्रिका थाने ले गया। इस तरह से उस महिला को उसकी टूटी चैन मिल गई। सभी यात्रियों तथा पुलिस वालों ने उस ड्राइवर की भूरि-भूरि प्रशंसा की।
अतः आपसे प्रार्थना है कि बस चालक श्री गोविन्दसिंह को सार्वजनिक रूप से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाए, जिससे अन्य चालक तथा परिचालक ऐसे कार्य के लिए प्रेरित हो सकें।
धन्यवाद सहित।
भवदीय,
पवन कुमार

अथवा

P-276, पालम,
नई दिल्ली-77,
दिनांक .....।
प्रिय मित्र गोविन्द
सप्रेम नमस्ते,
कल तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हें यह जानकर हर्ष होगा कि मेरा मन इस नए शहर में लग गया है। दिल्ली बहुत बड़ा और सुन्दर है। यहाँ लाल किला, जामा मस्जिद, लोटस टेम्पल, इंडिया गेट आदि कई दर्शनीय स्थल हैं। यहाँ की बहुमंजिला गगनचुम्बी इमारतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। यहाँ सड़कें काफ़ी चौड़ी हैं। रात के समय बाज़ारों की सजावट व रोशनी मन मोह लेती है। बाज़ार बहुत बड़े-बड़े हैं। मुग़ल गार्डन में फूलों की इतनी किस्में हैं कि वे लोगों को हैरत में डाल देती है। दिल्ली में मैट्रो की सवारी करके बड़ा मजा आया। यह शहर बड़ा होने के साथ साफ-सुथरा भी है।
इस नए शहर में तुम्हारी कमी अखरती है। यदि तुम भी साथ होते तो आनन्द दुगना हो जाता। ग्रीष्म अवकाश में तुम दिल्ली अवश्य आना। अंकल व आंटी को नमस्ते।
तुम्हारा प्रिय मित्र
मोहित

14. प्रति,
महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
नारीमन प्वाइंट मुंबई।
विषय- लिपिक पद हेतु आवेदन-पत्र।
मान्यवर,
दिनांक 05 मई, 20xx के महाराष्ट्र टाइम्स में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि आपके कार्यालय में लिपिकों की आवश्यकता है। मैं स्वयं को इस पद के योग्य मानकर आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ, मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण निम्नलिखित है-
नाम - पूनम शर्मा
पिता का नाम - श्री प्रकाश कुमार
जन्मतिथि - 14 दिसंबर, 1987

Atul Tutorials

पता - ए 4/75, गोकुलपुरी, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०, दिल्ली	2002	68%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०, दिल्ली	2004	75%
बी.कॉम.	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	2007	66%
एम.कॉम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	2009	62%
कम्प्यूटर कोर्स	द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (एफटैक कम्प्यूटरलर्निंग सेंटर)	2011	

अनुभव- सहारा कोअपरेटिव बैंक में क्लर्क पद पर तीन साल।
आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूति विचारकर सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।
सधन्यवाद
भवदीया
सुमन शर्मा
हस्ताक्षर .....
दिनांक 05 मई, 2019
संलग्न- शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

प्रेषक (From) : dinesh@gmail.com
प्रेषिती (To) : jalvibhag@gmail.com
विषय – हमारे मुहल्ले में जल आपूर्ति उपलब्ध कराने के संबंध में
अध्यक्ष महोदय,
मेरा नाम दिनेश है मैं महामाया कॉलोनी, वार्ड क्र.-12, रायपुर (छ.ग.) का रहने वाला हूँ हमारे वार्ड या मोहल्ले में जल की आपूर्ति पिछले तीन दिनों से बाधित है जिसकी वजह से मोहल्ले वासियों को बहुत परेशानियां उठानी पड़ रही है आप तो जानते हैं कि जल का उपयोग दैनिक जीवन में कितना ज़रूरी है
अतः आपसे अनुरोध है कि जल की आपूर्ति सुचारू रूप से करने की कृपा करें ताकि जल संकट की कोई समस्या से मोहल्ले वासियों को जूझना न पड़े इस नेक कार्य के लिए हम सदा आपके आभारी रहेंगे धन्यवाद
भवदीय
दिनेश
महामाया कॉलोनी, वार्ड क्र.-12,
रायपुर (छ.ग.)
8 जून, 2024

15.

प्रकृति क्लब
खेत का अमृत
जैविक खाद
विक्री हेतु उपलब्ध

कीमत मात्र ₹ 100 की 5 किलो

विशेषताएँ

- रसायन रहित
- देशी गाय का गोबर
- पौधों को पोषण दे
- मिट्टी को उपजाऊ बनाए
- नमी को संरक्षित करे

निर्माता एवं बिक्री - प्रकृति क्लब
गोविंद नगर, दिल्ली
फोन नम्बर: 86242112XX

अथवा

संदेश

Atul Tutorials

13 अक्तूबर 20xx
प्रातः 11:40 बजे
हम सब पालम विधानसभावासी नवनिर्वाचित विधायक श्री गिरीश जी को तहे दिल से बधाई देते हैं।
हम आशा करते हैं कि आप हमारे विश्वास को बनाए रखेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में आप सब का अमूल्य योगदान है अतः सभी मर्यादाओं को ध्यान में रखकर क्षेत्र के हित में आवश्यक कदम उठाएँगे। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे ऐसा हम सबका विश्वास है।
निवेदक
समस्त क्षेत्रवासी

Atul Tutorials